MPS 004

MARATHON CLASS

MOST IMPORTANT QUESTIONS FOR EXAM

EXPECTED QUESTIONS FOR DECEMBER 2024

1. Analyse the contribution of comparative politics to the study of Political Science.

राजनीति विज्ञान के अध्ययन में तुलनात्मक राजनीति के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

Comparative politics has contributed a lot to the overall study of political science.

It has helped in understanding different political systems, developing political theories, and analyzing political behavior across the world.

तुलनात्मक राजनीति ने राजनीतिक विज्ञान के समग्र अध्ययन में बहुत योगदान दिया है।

इसने विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों को समझने, राजनीतिक सिद्धांतों को विकसित करने, और दुनिया भर में राजनीतिक व्यवहार का विश्लेषण करने में मदद की है।

Development of Political Theories

Comparative politics has helped in creating and refining political theories, which explain how societies govern themselves. These theories, such as modernization and dependency theories, help us understand how political systems evolve over time.

तुलनात्मक राजनीति ने राजनीतिक सिद्धांतों को बनाने और सुधारने में मदद की है, जो यह समझाते हैं कि समाज अपने आप को कैसे शासित करते हैं। ये सिद्धांत, जैसे कि आधुनिकीकरण और निर्भरता सिद्धांत, हमें यह समझने में मदद करते हैं कि राजनीतिक प्रणालियाँ समय के साथ कैसे विकसित होती हैं।

Scholarly Minds

Example: **Modernization theory** suggests that as countries become more economically developed, they also tend to become more democratic. By comparing countries like the U.S. and India, we can see how economic growth can lead to democratic reforms.

उदाहरण: **आधुनिकीकरण सिद्धांत** कहता है कि जैसे-जैसे देश अधिक आर्थिक रूप से विकसित होते हैं, वैसे-वैसे वे अधिक लोकतांत्रिक भी बन जाते हैं। अमेरिका और भारत जैसे देशों की तुलना करके, हम देख सकते हैं कि आर्थिक विकास कैसे लोकतांत्रिक सुधारों की ओर ले जा सकता है।

Study of Political Institutions

Comparative politics studies the role of different political institutions (like parliaments, courts, and presidents). By comparing them, we learn how these institutions work in different countries and what makes them successful or not.

तुलनात्मक राजनीति विभिन्न राजनीतिक संस्थाओं (जैसे संसद, न्यायालय, और राष्ट्रपति) की भूमिका का अध्ययन करती है। इनकी तुलना करके हम यह सीखते हैं कि ये संस्थाएँ विभिन्न देशों में कैसे काम करती हैं और इन्हें सफल या असफल बनाने वाले कारक क्या हैं।

Example: The comparison between the **presidential system** of the United States and the **parliamentary system** of the United Kingdom shows how the structure of government affects policy-making. In the U.S., the president has significant executive power, while in the UK, the prime minister is accountable to the parliament.

उदाहरण: संयुक्त राज्य अमेरिका के **राष्ट्रपति प्रणाली** और यूनाइटेड किंगडम के **संसदीय प्रणाली** की तुलना करने से हम यह समझ सकते हैं कि सरकार की संरचना नीति निर्माण को कैसे प्रभावित करती है। अमेरिका में राष्ट्रपति के पास महत्वपूर्ण कार्यकारी शक्ति होती है, जबकि ब्रिटेन में प्रधानमंत्री संसद के प्रति उत्तरदायी होते हैं।

Understanding Political Systems and Regimes

Comparative politics helps us understand different types of political systems (like democracies and dictatorships) and how they function. By comparing systems, we can learn why some countries are stable while others face political problems.

Scholarly Minds

हमें विभिन्न प्रकार की राजनीतिक प्रणालियाँ (जैसे लोकतंत्र और तानाशाही) समझने में मदद करती है और ये कैसे काम करती हैं। प्रणालियों की तुलना करके हम यह जान सकते हैं कि कुछ देश स्थिर क्यों होते हैं, जबकि अन्य राजनीतिक समस्याओं का सामना क्यों करते हैं।

Example: By comparing the political systems of the United States (a democracy) and North Korea (a dictatorship), we can learn how different systems affect the rights of citizens, political stability, and international relations.

उदाहरण: संयुक्त राज्य अमेरिका (एक लोकतंत्र) और उत्तर कोरिया (एक तानाशाही) के राजनीतिक प्रणालियों की तुलना करके, हम यह समझ सकते हैं कि विभिन्न प्रणालियाँ नागरिकों के अधिकारों, राजनीतिक स्थिरता, और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को कैसे प्रभावित करती हैं।

Role of Political Culture and Behavior

Comparative politics helps us understand how political behavior (like voting or protesting) varies in different countries. It looks at factors like culture, education, and economic status that influence how people engage in politics.

हमें यह समझने में मदद करती है कि विभिन्न देशों में राजनीतिक व्यवहार (जैसे मतदान या विरोध) कैसे बदलता है। यह ऐसे कारकों की जांच करती है जैसे संस्कृति, शिक्षा, और आर्थिक स्थिति, जो यह प्रभावित करते हैं कि लोग राजनीति में कैसे भाग लेते हैं।

Example: In the **U.S.**, voting behavior can be strongly influenced by factors like race, income, and education, while in **India**, caste and religion play a major role in shaping political participation.

उदाहरण: **संयुक्त राज्य अमेरिका** में, मतदान व्यवहार जाति, आय और शिक्षा जैसे कारकों से प्रभावित हो सकता है, जबकि **भारत** में, जाति और धर्म राजनीतिक भागीदारी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

2. Discuss the concept of dependency as an explanatory tool for the phenomenon of under- development.

विकास की प्रक्रिया को जारी रखने के लिए निर्भरता के सिद्धांत की एक व्याख्यात्मक तरीके की तरह व्याख्या कीजिए.

Schorly Minds

The **dependency theory** is a concept that explains the phenomenon of underdevelopment in many countries, particularly in the Global South. It suggests that the underdevelopment of these countries is not due to their internal failures, but because they have been historically exploited by more developed, wealthier nations. These developed nations, mostly in the Global North, have created economic and political systems that keep poorer countries dependent on them, leading to the perpetuation of poverty and underdevelopment.

निर्भरता सिद्धांत एक ऐसा विचार है जो विकासशील देशों में अविकास की घटना को समझाता है। इसका कहना है कि इन देशों का अविकास उनकी आंतरिक विफलताओं के कारण नहीं है, बल्कि इसलिए है क्योंकि उन्हें ऐतिहासिक रूप से अधिक विकसित और संपन्न देशों द्वारा शोषित किया गया है। ये विकसित देश, ज्यादातर वैश्विक उत्तर में, ऐसे आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियाँ बनाते हैं जो गरीब देशों को उन पर निर्भर बनाए रखती हैं, जिससे गरीबी और अविकास की स्थिति बनी रहती है।

1. **Historical Exploitation**
   Dependency theory argues that the historical relationships between wealthy and poor nations, especially through colonization, have led to a system of unequal exchange. Wealthy countries exploited the resources of poorer countries, which led to their economic underdevelopment.

Example: During the colonial period, European powers like Britain and France exploited resources from African and Asian colonies, such as raw materials, while leaving the colonies with weak economies and poor infrastructure.

मुख्य विचार - ऐतिहासिक शोषण
निर्भरता सिद्धांत का कहना है कि समृद्ध और गरीब देशों के बीच ऐतिहासिक संबंध, विशेष रूप से उपनिवेशवाद के माध्यम से, असमान व्यापार के एक प्रणाली को जन्म देते हैं। समृद्ध देशों ने गरीब देशों से संसाधनों का शोषण किया, जिससे उनके आर्थिक अविकास का कारण बना।

उदाहरण: उपनिवेशी काल में, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे यूरोपीय शक्तियों ने अफ्रीका और एशिया के उपनिवेशों से कच्चे माल जैसे संसाधनों का शोषण किया, जबकि इन उपनिवेशों को कमजोर अर्थव्यवस्थाएँ और गरीब बुनियादी ढांचे के साथ छोड़ दिया।

Scholarly Minds

2. **Global Economic System and Dependency**
   According to dependency theory, the global economic system is structured in a way that benefits wealthy countries and keeps poorer nations in a dependent position. Poor countries supply raw materials, labor, and cheap goods to the rich countries but are kept in a cycle of low-value production and poverty.

Example: Many African countries continue to export raw materials like oil, minerals, and agricultural products to developed nations, while these nations remain dependent on foreign goods and technology for their development.

वैश्विक आर्थिक प्रणाली और निर्भरता

निर्भरता सिद्धांत के अनुसार, वैश्विक आर्थिक प्रणाली इस तरह से संरचित है कि यह समृद्ध देशों को लाभ पहुंचाती है और गरीब देशों को एक निर्भर स्थिति में बनाए रखती है। गरीब देश कच्चे माल, श्रम और सस्ते सामान समृद्ध देशों को आपूर्ति करते हैं, लेकिन इन्हें कम-मूल्य उत्पादन और गरीबी के चक्र में रखा जाता है।

उदाहरण: कई अफ्रीकी देश कच्चे माल जैसे तेल, खनिज और कृषि उत्पादों का निर्यात विकसित देशों को करते हैं, जबकि ये देश अपनी विकास के लिए विदेशी सामान और प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहते हैं।

In conclusion, dependency theory provides an important explanation for the phenomenon of underdevelopment. It argues that underdevelopment is not a natural state of these countries, but the result of historical exploitation, unequal exchanges, and external control. By understanding dependency, we can better address the challenges of poverty and inequality in the Global South.

अंत में, निर्भरता सिद्धांत अविकास की घटना के लिए एक महत्वपूर्ण व्याख्या प्रदान करता है। यह कहता है कि अविकास इन देशों की प्राकृतिक स्थिति नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक शोषण, असमान विनिमय, और बाहरी नियंत्रण का परिणाम है। निर्भरता को समझकर, हम वैश्विक दक्षिण में गरीबी और असमानता की चुनौतियों का बेहतर समाधान कर सकते हैं।

Scholarly Minds

GANDHIAN PERSPECTIVE OF STATE

Self-reliance (Swadeshi)

- Gandhi emphasized the importance of self-reliance, both at the individual and national levels. He believed that people should be economically independent to reduce the need for a strong state.
- गांधी ने आत्मनिर्भरता के महत्व पर बल दिया, चाहे वह व्यक्तिगत स्तर पर हो या राष्ट्रीय स्तर पर। उनका मानना था कि लोगों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहिए, ताकि राज्य की शक्ति की आवश्यकता कम हो।

State as a Necessary Evil

- Gandhi viewed the state as a necessary evil rather than something inherently good. He believed that in the absence of self-rule (swaraj), the state was required to maintain order.
- गांधी ने राज्य को एक आवश्यक बुराई के रूप में देखा। उनका मानना था कि स्वराज की अनुपस्थिति में राज्य का अस्तित्व व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी था।

Non-violence (Ahimsa) as the Foundation of the State

- For Gandhi, non-violence (ahimsa) was the foundation of any social and political system. He believed that the state's power should be based on love and non-violence, not force.
- गांधी के लिए अहिंसा किसी भी सामाजिक और राजनीतिक प्रणाली की नींव थी। उनका मानना था कि राज्य की शक्ति को बल के बजाय प्रेम और अहिंसा पर आधारित होना चाहिए।

Decentralized Government

- Gandhi advocated for a decentralized form of government where power rests in the hands of local communities (village republics). He felt that this would lead to true self-governance.
- गांधी ने विकेंद्रीकृत सरकार की वकालत की, जिसमें शक्ति स्थानीय समुदायों (ग्राम गणराज्य) के हाथों में हो। उनका मानना था कि इससे वास्तविक स्वशासन स्थापित होगा।

State Should Serve the People

- According to Gandhi, the role of the state is to serve the people and ensure justice and equality for all, without discrimination.

Scholarly Minds

- गांधी के अनुसार, राज्य का उद्देश्य लोगों की सेवा करना और सभी के लिए न्याय और समानता सुनिश्चित करना होना चाहिए, बिना किसी भेदभाव के।

Minimal State

- Gandhi believed in a minimal state, which would only intervene in matters where necessary. He felt that the ideal state should not be overly powerful or oppressive.
- गांधी एक न्यूनतम राज्य में विश्वास करते थे, जो केवल आवश्यक मामलों में हस्तक्षेप करे। उनका मानना था कि आदर्श राज्य को अत्यधिक शक्तिशाली या दमनकारी नहीं होना चाहिए।

Examine the nature of ethnic movements and various strategies adopted in that direction.

Ethnic movements are social movements that arise due to the shared identity, culture, or experiences of a specific ethnic group.

These movements often seek to address issues of recognition, rights, and autonomy.

Demand for Recognition of Identity

- Ethnic movements often begin with the demand for the recognition of a particular ethnic group's unique identity, culture, and history. This is important for preserving their traditions and securing their place in society.
- जातीय आंदोलन अक्सर किसी विशेष जातीय समूह की पहचान, संस्कृति और इतिहास की मान्यता की मांग से शुरू होते हैं। यह उनके परंपराओं को बनाए रखने और समाज में उनका स्थान सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होता है।

2. **Cultural Revival and Preservation**
   - These movements often focus on reviving and preserving their ethnic culture, language, and customs. The aim is to prevent the erosion of their identity due to external influences.

Scholarly Minds

    - ये आंदोलन अक्सर अपनी जातीय संस्कृति, भाषा और रिवाजों को पुनर्जीवित करने और संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उद्देश्य बाहरी प्रभावों के कारण उनकी पहचान के क्षय को रोकना होता है।
3. **Autonomy or Self-Determination**
    - A common strategy of ethnic movements is to seek political autonomy or self-determination. This may involve demands for a separate state or more control over local governance.
    - जातीय आंदोलनों की एक सामान्य रणनीति राजनीतिक स्वायत्तता या आत्मनिर्णय की मांग करना होता है। इसमें एक अलग राज्य की मांग या स्थानीय शासन पर अधिक नियंत्रण की मांग हो सकती है।
4. **Protests and Civil Disobedience**
    - Many ethnic movements employ protests, strikes, and civil disobedience to draw attention to their demands and challenge the existing political structure.
    - कई जातीय आंदोलन अपनी मांगों को सामने लाने और मौजूदा राजनीतिक संरचना को चुनौती देने के लिए विरोध प्रदर्शन, हड़ताल और सिविल अवज्ञा की रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं।
5. **Non-Violent Resistance**
    - Inspired by leaders like Mahatma Gandhi, many ethnic movements adopt non-violent resistance to push for their demands. This includes peaceful marches, sit-ins, and boycotts.
    - महात्मा गांधी जैसे नेताओं से प्रेरित होकर, कई जातीय आंदोलन अपनी मांगों के लिए अहिंसक प्रतिरोध अपनाते हैं। इसमें शांतिपूर्ण मार्च, धरना और बहिष्कार शामिल होते हैं।
6. **Political Negotiations**
    - Another strategy involves engaging in political negotiations with the state to secure their demands. This might involve dialogues, forming alliances, or participating in elections to gain a voice in the political system.
    - एक अन्य रणनीति राज्य के साथ राजनीतिक वार्ताओं में शामिल होना होता है, ताकि उनकी मांगों को सुरक्षित किया जा सके। इसमें संवाद करना, गठबंधन बनाना या राजनीतिक प्रणाली में एक आवाज प्राप्त करने के लिए चुनावों में भाग लेना शामिल हो सकता है।
7. **Violent Struggles or Armed Movements**
    - In some cases, ethnic groups resort to violent struggles or armed movements when they feel that their demands are not being addressed peacefully. These movements may seek to achieve autonomy or independence through force.
    - कुछ मामलों में, जातीय समूह जब महसूस करते हैं कि उनकी मांगों को शांति से हल नहीं किया जा रहा है, तो वे हिंसक संघर्षों या सशस्त्र आंदोलनों

Scholarly Minds

का सहारा लेते हैं। ये आंदोलन बल के माध्यम से स्वायत्तता या स्वतंत्रता प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं।

WRITE ABOUT PRESSURE GROUPS

Pressure groups are organized groups that seek to influence government policies, decisions, and public opinion to serve their interests. They play a vital role in the political system by representing specific causes or sectors of society.

1. **Definition and Purpose**
   - A pressure group is an organization that tries to influence political decisions, policies, and laws. They aim to advocate for specific interests, such as environmental protection, labor rights, or business interests.
   - दबाव समूह एक संगठन होता है जो राजनीतिक निर्णयों, नीतियों और कानूनों को प्रभावित करने की कोशिश करता है। उनका उद्देश्य विशिष्ट हितों की पैरवी करना होता है, जैसे पर्यावरण सुरक्षा, श्रमिक अधिकार या व्यापारिक हित।
2. **Types of Pressure Groups**
   - There are two main types of pressure groups: **Interest groups**, which represent the specific interests of a group of people (such as trade unions or business associations), and **Cause groups**, which focus on a particular cause or issue (like environmental or human rights groups).
   - दबाव समूहों के दो मुख्य प्रकार होते हैं: **हित समूह**, जो कुछ लोगों के विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं (जैसे श्रमिक संघ या व्यापार संघ), और **कारण समूह**, जो किसी विशेष कारण या मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करते हैं (जैसे पर्यावरण या मानवाधिकार समूह)।
3. **Methods of Influence**
   - Pressure groups use various methods to influence policies, such as lobbying government officials, conducting public campaigns, organizing protests, and using the media to highlight their cause.
   - दबाव समूह नीतियों को प्रभावित करने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करते हैं, जैसे सरकारी अधिकारियों से लॉबीिंग करना, सार्वजनिक

Scholarly Minds

अभियान चलाना, विरोध प्रदर्शन आयोजित करना और अपने कारण को प्रमुख बनाने के लिए मीडिया का उपयोग करना।

4. **Lobbying (ANY ATTEMP OF PRIVATE GROUP TO INFLUENCE GOVERNMENT DECISIONS)**
    - Lobbying is one of the most common and direct methods used by pressure groups. It involves persuading politicians, government officials, or other decision-makers to support their interests.
    - लॉबीइंग दबाव समूहों द्वारा उपयोग की जाने वाली एक सामान्य और प्रत्यक्ष विधि है। इसमें राजनेताओं, सरकारी अधिकारियों या अन्य निर्णय निर्माताओं को उनके हितों का समर्थन करने के लिए मनाना शामिल है।
5. **Public Campaigns and Protests**
    - To gain attention, pressure groups often organize public campaigns, protests, or demonstrations. These help raise awareness about specific issues and show public support or opposition.
    - ध्यान आकर्षित करने के लिए, दबाव समूह अक्सर सार्वजनिक अभियान, विरोध प्रदर्शन या धरने आयोजित करते हैं। ये विशिष्ट मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं और सार्वजनिक समर्थन या विरोध को दिखाते हैं।
6. **Use of Media**
    - Pressure groups effectively use mass media (TV, newspapers, social media) to influence public opinion and put pressure on decision-makers. Media campaigns can bring attention to their causes on a larger scale.
    - दबाव समूह जनमत को प्रभावित करने और निर्णय लेने वालों पर दबाव डालने के लिए प्रभावी रूप से मास मीडिया (टीवी, समाचार पत्र, सोशल मीडिया) का उपयोग करते हैं। मीडिया अभियानों के माध्यम से वे अपने कारण को बड़े स्तर पर प्रमुख बना सकते हैं।
7. **Legal Actions**
    - Some pressure groups take legal action to enforce their demands. This could include filing lawsuits, challenging unconstitutional laws, or seeking judicial intervention.
    - कुछ दबाव समूह अपनी मांगों को लागू करने के लिए कानूनी कार्रवाई करते हैं। इसमें मुकदमे दायर करना, असंवैधानिक कानूनों को चुनौती देना या न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करना शामिल हो सकता है।
8. **Financial Support and Funding**
    - Many pressure groups depend on donations, membership fees, or external funding to support their activities. They use this

Scholarly Minds

financial support to carry out research, organize events, and promote their agenda.

- कई दबाव समूह अपनी गतिविधियों को समर्थन देने के लिए दान, सदस्यता शुल्क या बाहरी फंडिंग पर निर्भर होते हैं। वे इस वित्तीय समर्थन का उपयोग अनुसंधान करने, कार्यक्रम आयोजित करने और अपने एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए करते हैं।

WATCH OTHER PARTS OF MPS 004 TO COMPLETE YOUR PREPARARTION .

PDF IS ON MY WEBSITE hindustanknowledge.com

Don't forget to join my whatsapp channel link is in description

LIKE AND SUBSCRIBE FOR MORE.

Scholarly Minds